अक्षय ऊर्जा का हब बनेगा उप्र, 125 परियोजनाएं जल्द उतरेंगी धरातल पर

पहले चरण में नौ हजार परियोजनाएं क्रियान्वयन के लिए तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: प्रदेश को विभिन्न औद्योगिक समूहों की ओर से मिले 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पहले चरण में 15 लाख करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष 7.16 लाख करोड़ की नौ हजार परियोजनाएं क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। निवेशकों ने सबसे ज्यादा रुचि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में दिखाई है। इस संदर्भ में अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में पहले चरण में एक लाख करोड़ से भी ज्यादा की 125 परियोजनाएं जल्द धरातल पर उतरती दिखाई देंगी। इसमें ग्रीनको, टस्को, बीएसईएल और एसीएमई क्लीनटेक जैसी बड़ी कंपनियां उप्र में निवेश करेंगी।

बुंदेलखंड और पूर्वांचल में लगेंगे अक्षय ऊर्जा के चार बड़े संयंत्र

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में पहले चरण की 125 परियोजनाओं में 35 हजार करोड़ से अधिक की चार बड़ी परियोजनाएं पूर्वांचल और बुंदेलखंड के जिलों में स्थापित होने जा रही हैं। इनमें ग्रीनको ग्रुप की ओर से 17 हजार करोड़ की आफ स्ट्रीम क्लोज लूप पंप स्टोरेज परियोजना सोनभद्र में स्थापित होगी। यह 3,660 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगी।

• अतिरिक्त ऊर्जा,यूपीसीडा, नोएडा, उच्च शिक्षा में होगा सर्वाधिक निवेश

वहीं एक हजार मेगावाट की माताटीला फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की स्थापना टस्को की ओर से ललितपुर में की जाएगी। कंपनी इसके लिए 6,500 करोड़ का निवेश करेगी। बुंदेलखंड सौर ऊर्जा लिमिटेड की ओर से 1,200 मेगावाट का सोलर पावर पार्क जालौन में स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना भी छह हजार करोड़ की होगी। इसी प्रकार एसीएमई क्लीनटेक साल्यूशंस प्रालि की ओर से छह हजार करोड़ की लागत से 1,250 मेगावाट की दो आफ स्ट्रीम क्लोज लूप पंप स्टोरेज परियोजनाएं प्रयागराज और मीरजापुर में स्थापित की जाएंगी।

इन क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के पहले चरण में अक्षय ऊर्जा के अलावा कई और क्षेत्रों में निवेश की कवायद की जा रही है। इनमें यूपीसीडा में 1,00,218 करोड़ की 1,081 परियोजनाएं, नोएडा में 56,679 करोड़ की 131 परियोजनाएं, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 51,036 करोड़ की 27 परियोजनाएं, आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स में 49,337 करोड़ की 46 परियोजनाएं, आवास एवं शहरी नियोजन में 46,077 करोड़ की 688 परियोजनाएं, फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 42,280 करोड़ की 843 परियोजनाएं, ऊर्जा सेक्टर में 39,797 करोड़ की छह परियोजनाएं, एमएसएमइ में 38,157 करोड़ की 2,390 परियोजनाएं और ग्रेटर नोएडा में 36,534 करोड़ की 119 परियोजनाएं क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।